http://www.ukboardonline.com

रोल नं0 | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

102

402 (IBS)

2015
हिन्दी
(केवल कृषि वर्ग भाग–II के लिए)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (1) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(2) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मनुष्य के पास बुद्धि के साथ–साथ हृदय भी है। बुद्धि का सम्बन्ध विचारों से है, उपयोगी ज्ञान से है, हृदय का सम्बन्ध अनुभूति और भावनाओं से है। जीवन में दोनों का महत्व है, किन्तु उनके क्षेत्र अलग–अलग हैं। किसी कार्य को सफलतापूर्वक करने, कर्म–कौशल प्रकट करने और इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, विज्ञान आदि का ज्ञान प्राप्त करने में बुद्धि अपना योग प्रदान करती है किन्तु स्वार्थरहित मानव–सम्बन्धों, किसी सुन्दर प्राकृतिक दृश्य को देखकर उल्लसित होने, किसी की दीन–हीन दशा देखकर करुणा से द्रवीभूत होने आदि में हृदय काम आता है। माँ जब अपने पुत्र को प्यार करती है तो बुद्धि से नहीं, हृदय से प्यार करती है। अस्तु, मानव जीवन के बुद्धिपक्ष और हृदयपक्ष को दृष्टि में रखते हुए साहित्य के व्यापक और सीमित या विशिष्ट दो अर्थ ग्रहण किए जाते हैं। व्यापक अर्थ के अन्तर्गत मनुष्य की बुद्धि और हृदय दोनों से सम्बन्धित सार्थक और लिपिबद्ध सामग्री को साहित्य कहते हैं। इस अर्थ के अन्तर्गत इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, विज्ञान, जीवनी, नाटक, कविता, उपन्यास कहानी, एकांकी आदि सभी कुछ साहित्य है। सीमित या विशिष्ट अर्थ में वही साहित्य 'साहित्य' है, जिसका सम्बन्ध हमारे हृदय से है, जिसमें हमारे हृदय को उल्लसित करने, हमारी भावनाओं और अनुभूतियों को तीव्र करने की शक्ति है, जिसमें भावलालित्य है, कल्पना है। इस सीमित या विशिष्ट अर्थ के अन्तर्गत काव्य, नाटक, उपन्यास, कहानी, एकांकी आदि को ही 'ललित साहित्य' कहा जाता है। यह साहित्य मनुष्य की मानसी सृष्टि है।

(क) मानव–जीवन में बुद्धि का महत्व स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) हृदय किस काम आता है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 3

(ग) साहित्य किसे कहते हैं ? 3

(घ) 'ललित साहित्य' क्या है ? 3

(ङ) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) जीवन में कम्प्यूटर का महत्व

(ख) प्राकृतिक आपदा

(ग) विद्यार्थी और अनुशासन

(घ) किसी पर्वतीय स्थल की यात्रा

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 1×5=5

(क) 'पत्रकारीय लेखन' किसे कहते है ?

(ख) 'स्तम्भ लेखन' का क्या तात्पर्य है ?

(ग) हिन्दी में प्रकाशित होने वाले किन्हीं दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों के नाम लिखिए।

(घ) श्रव्य संचार माध्यम का एक उदाहरण दीजिए।

(ङ) पर्यावरण पर छपने वाली किसी एक पत्रिका का नाम लिखिए।

4. 'पल्स पोलियो अभियान – सफलता या असफलता' पर लगभग 150 शब्दों का एक आलेख लिखिए। 5

अथवा

अपने विद्यालय में मनाये गये 'स्वतन्त्रता दिवस समारोह' पर लगभग 150 शब्दों का एक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) तैयार कीजिये।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

5. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 1½+1½=3

हे भूख! मत मचल
प्यास, तड़प मत
हे नींद! मत सता
क्रोध, मचा मत उथल–पुथल
हे मोह! पाश अपने ढील
लोभ, मत ललचा
हे मद! मत कर मदहोश
ईर्ष्या, जला मत
ओ चराचर! मत चूक अवसर
आई हूँ संदेश लेकर श्रीशैलकार्जुन का

(क) कवयित्री भूख, प्यास, नींद आदि से क्यों बचना चाहती है ?
(ख) 'ओ चराचर! मत चूक अवसर' का आशय लिखिए।
(ग) कवयित्री संसार को क्या संदेश देना चाहती है ?

6. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गये किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 1½+1½=3

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार–अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अन्तर में पा लूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है।
नहीं सहा जाता है।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।
(ख) कवि ने व्यक्तिगत सन्दर्भ में किस स्थिति को अमावस्या कहा है ?
(ग) कवि अब क्या सहन नहीं कर पा रहा है ?

7. निम्नलिखित काव्यांशों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए – 2+2=4

(क) दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोयी
दधि मथि घृत काढ़ि लियो, डारि दयी छोयी

(ख) आँगन मे ठुनक रहा है जिदयाया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आईने में चाँद उतर आया है

8. (क) 'सबसे खतरनाक' कविता में 'सबसे खतरनाक आँख' किसे कहा गया है ? 2

अथवा

कबीर ने ऐसा क्यों कहा कि संसार बौरा गया है ?

(ख) 'कविता के बहाने' कविता मे 'सब घर एक कर देने के माने' क्या है ? 2

अथवा

पतंगों के साथ–साथ ये भी उड़ रहे हैं – बच्चों का उड़ान के साथ कैसा सम्बन्ध बनता है ? लिखिए।

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1½+1½=3

मैं इसकी कोशिश करता और बताता कि हिन्दुस्तान वह सब कुछ है, जिसे उन्होंने समझ रखा है, लेकिन वह इससे भी बहुत ज्यादा है। हिन्दुस्तान के नदी और पहाड़, जंगल और खेत, जो हमें अन्न देते हैं, ये सभी हमें अजीज हैं। लेकिन आखिरकार जिनकी गिनती है, वे हैं हिन्दुस्तान के लोग, उनके और मेरे जैसे लोग, जो इस सारे देश में फैले हुए हैं। भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं, और 'भारत माता की जय!' से मतलब हुआ इन लोगों की जय का। मैं उनसे कहता कि तुम इस भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम ही भारत माता हो; और जैसे–जैसे ये विचार उनके मन में बैठते, उनकी आँखों में चमक आ जाती, इस तरह, मानो उन्होंने कोई बड़ी खोज कर ली हो।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

(क) पाठ तथा इसके लेखक का नाम लिखिए।
(ख) लेखक ने किसानों को भारत माता का क्या अर्थ बताया ?
(ग) किसानों की आँखों में चमक क्यों आ जाती थी ?

10 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :— 1½+1½=3

जाति–प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती बल्कि मनुष्य को जीवन–भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्रायः आती है, क्योंकि उद्योग–धन्धों की प्रक्रिया व तकनीक में निरन्तर विकास और कभी–कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो इसके लिए भूखों मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है ? हिन्दू धर्म की जाति–प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत हो। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति–प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

(क) जाति–प्रथा, पेशे का पूर्व निर्धारण कैसे करती है ?
(ख) लेखक के अनुसार जाति–प्रथा के दोषों का निरूपण कीजिए।
(ग) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जाति–प्रथा के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

11 'नमक का दारोगा' कहानी में वंशीधर के पिता ने मासिक वेतन को 'पूर्णमासी का चाँद' क्यों कहा है ? 3

अथवा

'स्पीति में बारिश' पाठ के आधार पर बताइये कि लेखक 'माने' श्रेणी का नाम बौद्धों के 'माने' मंत्र के नाम पर रखने के पक्ष में क्यों है ?

12. भक्तिन अपना वास्तविक नाम क्यों छिपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने व क्यों दिया होगा ? 3

अथवा

नमक की पुड़िया ले जाने के संबंध में सफ़िया के मन में क्या द्वंद्व था ?

13. कुंई के ऊपर घिरनी क्यों लगाई जाती है ? http://www.ukboardonline.com 2

अथवा

बेबी की जिन्दगी में तातुश का परिवार न आया होता तो उसका जीवन कैसा होता ?

14. 'जूझ' कहानी किशोर होते हुए विद्यार्थियों की हमकहानी किस प्रकार बन जाती है ? लिखिए। 2

अथवा

मुअनजो–दड़ो के अजायबघर में लेखक ने क्या–क्या देखा ?

15 'तुम दूसरी आशापूर्णा देवी बन सकती हो।' जेठू का यह कथन रचना संसार के किस सत्य को उद्घाटित करता है ? 5

अथवा

'अकेलेपन' के दंश को कहानीकार ने यशोधर बाबू के माध्यम से किस प्रकार प्रकट किया है ?

खण्ड – 'ब'

16. अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न द्वयो उत्तरं लिखत। 1½+1½=3

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए।)

प्रयागारम्भसमये श्रीहर्षः योधान् उद्दिश्य उक्तवान् भोः भटाः! एतस्यां नौकायां विविधाः भारतीयधर्मग्रन्थाः सन्ति। अनेकानि ऐतिहासिकवस्तूनि च सन्ति। एतानि भारतीयसंस्कृतेः प्रतीकानि अमूल्यानि च, अतः एतेषां ग्रन्थानां वस्तूनां च रक्षणं भवतां कर्तव्यम् इति। ततः सर्वे नौकायाम् उपविष्टवन्तः। नाविकाः नौकां चालितवन्तः। अनेकानि दिनानि पर्यन्तं ते सुखेन प्रयाणं कृतवन्तः। एकस्मिन् दिने ते समुद्रे अकस्मात् उत्पन्नस्य खण्डमारुतस्य प्रभावम् अनुभूतवन्तः। नौका दोलायमाना अभवत्। सर्वे अपायशङ्कां प्राप्तवन्तः।

(क) श्रीहर्षः योधान् उद्दिश्य किम् उक्तवान् ?
(ख) के नौकाः चालितवन्तः ?
(ग) एकस्मिन् दिने ते किम् अनुभूतवन्तः ?

17. अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न द्वयो उत्तरं लिखत। 1½+1½=3

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।)

साइमन–आयोगस्य राष्ट्रव्यापि–विरोधसमये पण्डित–जवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्राणरक्षार्थं आरक्षकाणां दण्डप्रहारान् सः स्वस्य उपरि अवहत्। तस्मात् कारणात् आजीवनं तस्य शिरः कम्पते स्म। 1930 तमे वर्षे एषः

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

उत्तराखण्डे लवणसत्याग्रहान्दोलनस्य नेतृत्वम् अकरोत्। सत्याग्रहान्दोलनसमये स कारागारं प्रेषित। एवमेव स अनेकेषां स्वतन्त्रतान्दोलनानां नेतृत्वम् अकरोत् तेषु भागं च अवहत्। पण्डितजवाहरलालनेहरू–महात्मागांधी–सरदारवल्लभभाईपटेलसदृशाः राष्ट्रनेतारः भागाविवादनिवारणसदृशानि महत्त्वपूर्णकार्याणि तस्य द्वारा सम्पादितवन्तः। 1937 तमे वर्षे एषः कांग्रेसदलस्य नेता चित जात तदनन्तरं सयुक्तप्रान्तस्य मुख्यमन्त्रि च अभवत्।

(क) गोविन्दवल्लभपन्तः कस्य प्राण रक्षार्थे दण्डप्रहारात् स्वस्य उपरि असहत ?

(ख) गोविन्दवल्लभपन्तः कानि–कानि जनान्दोलनानि अकरोत् ?

(ग) गोविन्दवल्लभपन्तः कस्य मुख्यमन्त्री अभवत् ?

18. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गये प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।)

साहित्य–संगीत–कलाविहीनः
साक्षात् पशुः पुच्छविषाणहीनः।
तृणन्न खादन्नपि जीवमानः
तद् भागधेयं परमं पशूनाम्।।

(क) कः साक्षात् पुच्छविषाणविहीनः पशुः अस्ति ? (ख) पशूनाम् परमं भागधेयम् किम् ?

19. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गये प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।)

उष्मतो म्लायते वर्णस्त्वक् फलं पुष्पमेव च।
म्लायते शीर्यते वापि स्पर्शस्तेनात्र विद्यते।।

(क) उष्मतः पादपानां वर्णः कीदृशः भवति ? (ख) फलं पुष्पं च कथं म्लायते ?

20. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। 2½+2½=5

(संस्कृत पाठ्य पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

(क) 'कविः अस्मि' इति श्रुत्वा जनः कं धिक् वदति ? (ख) आनन्दः कस्मै धन्यवादं ज्ञापयति ?

(ग) उत्तराखण्डं केषां जन्मभूमि वर्तते ? (घ) 'भोजनार्थम् आगच्छतात्' इति का वदति ?

21. संस्कृत पाठ्य पुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। 2½+2½=5

(संस्कृत पाठ्य पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

(क) मण्डूकैः किं निर्णीतम् ?

(ख) अहं कदापि माँस भक्षणम् न करिष्यामि इति अग्रजः किमर्थम् उक्तवान् ?

(ग) वार्षिकोत्सवे मंचसंचालनं कः करिष्यति ? (घ) वासुदेवः दुर्योधनस्य सभां किमर्थं गतवान् ?

22. अधोलिखितेषु पदेषु मात्र **चत्वारि** पदानि चित्वा तेषां वाक्य रचना संस्कृत भाषायां कुरुत। 4

(निम्नलिखित पदों में से **चार** पदों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए।)

मधुरं, बिभेति, नायकः, स्थापयन्ति, अत्रत्याः, भवन्ति, प्रकम्पत, क्षणमात्रेण, न्यायालयं, शीघ्रं

23. (क) सन्धिं कुरुत। (सन्धि कीजिए।) : समाज+उत्थानाय **अथवा** गोपालकः+तव 1

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) जीविकोपार्जनम् **अथवा** दुर्योधनः 1

(ग) समास विग्रहं कुरुत। (समास विग्रह कीजिए।) : पीताम्बरम् **अथवा** अध्ययनस्य अनन्तरम् 1

(घ) पुरुष वचनं च लिखत। (पुरुष और वचन लिखिए।) : गच्छावः **अथवा** पश्यतु 1

(ङ) कारकं स्पष्टं कुरुत। (कारक स्पष्ट कीजिए।) 1

कामात् क्रोधम् अभिजायते। **अथवा** मह्यं दधि रोचते।

(च) विभक्ति वचनं च लिखत। (विभक्ति और वचन लिखिए।) : गगने **अथवा** रत्नानि 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्न–पत्रे आगतम् श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3=6

(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और उसका हिन्दी में अनुवाद कीजिए।)

****

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com